जिसने अपने को वश में कर लिया है, उसकी जीत को देवता भी हार में नहीं बदल सकते।

तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

डाक रजिस्ट्रेशन नं. मालवा डिवीजन-
L2/65/RNP/397/2024-2026

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 36 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 04-06-2024 से 10-06-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

भारतीय जनता ने ऐसा फैसला दिया है, जिसे भारतीय राजनीति में लंबे समय तक याद रखा जाएगा

भाजपा और उसके सहयोगियों को ऐसी जीत दी, जो हार जैसी लगती है

कांग्रेस गठबंधन को ऐसी हार दी, जो जीत जैसी लगती है

नैरेटिव ये है कि देश ने मोदी को नकार दिया है। ओडिशा में ऐतिहासिक जीत है। आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश में सरकार बन रही है। एमपी-दिल्ली-गुजरात में क्लीन स्वीप है। दक्षिण और ओडिशा में सीटें जबरदस्त बढ़ी हैं। सिंगल लार्जेस्ट पार्टी बीजेपी है लेकिन नैरेटिव ये सेट किया जा रहा है, कि मोदी को हरा दिया। मोदी को कमजोर कर दिया। खुद की सरकार, बने, या ना बने मोदी को कमजोर कर दिया है इसी में खुश हैं। अरे भाई, कमजोर कोई हुआ है इस मैंडेट से, तो वो है देश भारत इकलौता ऐसा देश होगा जो 8% की विकास दर से बढ़ने के बावजूद आज टाइम मशीन में बैठकर 90 के दशक में वापस चला गया है। जहां इससे पूछो, उससे समझो (समझौते वाली) सरकारें चला करती थी। शायद देश को यही मंजूर है परंतु निश्चित रूप से तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में फिर से 5 वर्ष का कार्यकाल प्रारंभ करने जा रहे हैं। 1962 के बाद आप देश के पहले प्रधानमंत्री है, जो लगातार तीसरी बार का कार्यकाल प्रधानमंत्री के रूप में करने जा रहे है।

सब मिलकर भी 50-60 सीट से ज्यादा नहीं घटा पाए मोदीजी की

दस साल सत्ता में रहने के बाद कांग्रेस 44 सीटों पर सिमट गई थी किंतु दस साल सत्ता में रहने के बाद, भाजपा अब 240 सीटों पर बैठी है यही अंतर है..! 99 सीट वाले कह रहे है कि 240 सीट वाले को जनता ने नकार दिया है इससे दिलचस्प नतीजे और क्या होंगे।

भाजपा का इस चुनाव में संपूर्ण देश में विस्तार हुआ है। केरल में भी खाता खुला है और मध्यप्रदेश जैसे राज्य में कांग्रेस के अधिकांश उम्मीदवार लाखों मतों पराजित हुए हैं। देश का पहला ऐसा चुनाव है जिसमें, जो पार्टी जीती है उससे ज्यादा खुशी हारने वाली पार्टी मना रही है जितनी सीटे अकेली भारतीय जनता पार्टी ने जीती है उतनी सीटे सारे इंडी गठबंधन वालों ने मिलकर भी नहीं जीती है। आज ठाकुर भी खुश है, जाट भी खुश है, आज यादव भी खुश है, आज दलित भी खुश है, आज मुस्लिम भी खुश है, बस आज देशभक्त निराश है..! हमें विश्लेषण का इंतजार करना होगा हम उत्तरप्रदेश में क्यों हार गए? वह भी एक गुंडा पार्टी से, जिसने गुंडा राज किया। अखिलेश यादव जैसा आत्मविश्वास से भरा भ्रमित नेता अकेले यह सब कैसे कर सकता है? 10 सालों तक मुसलमान को कांग्रेस से कुछ नहीं मिला पर इन्होंने कांग्रेस का साथ नहीं

छोड़ा वही 10 सालों तक हिन्दू को मोदी जी ने सब कुछ दिया उसके बावजूद मोदी जी को हराने में कोई कसर नहीं छोड़ी गजब और दुःखद। जिनके आने की आहट मात्र से शेयर बाजार गिरा पड़ा है वो अगर सचमुच आ जाते तो? बर्बादी का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

कुछ तो बात जरूर है हम हिन्दूओं में? यूं ही कोई बरसों तक गुलाम नहीं होता बर्बाद ए हिंद के लिए एक ही जयचंद काफी था। हाल ए हिंद क्या होगा जब हर गांव हर शहर में जयचंद है। हिंदू से अच्छे मुसलमान रहे जिन्होंने यूपी और बंगाल में बता दिया, की हम क्या है? और हिंदुओं ने अयोध्या मे बीजेपी को हराकर कर बता दिया, कि हम क्या है? कुछ नहीं हुआ है बस आपको टुकड़ों में बांटकर बांकी सब एक हो गए हैं। जातियों में बंटते रहो और कटते रहो। इस लोकसभा चुनावों के रिजल्ट देखकर, अब हमें इतिहास पढ़ने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि हम जान गए है, कि हमारे पुरखें क्यों और कैसे गुलाम बने थे? इसी को ध्यान में रखकर शायद, वीर सावरकर जी ने सच कहा था कि, मुझे अंग्रेजों का और मुस्लिमों का भय नहीं है मुझे तो भय है उन जातिवादी सेक्युलर हिन्दूओं का जो हिन्दू होकर भी हिंदूओं का विरोध करते हैं।

सबसे ज्यादा सीट बीजेपी की

भारत में सबसे ज्यादा मत लगभग 38%भाजपा को मिले सबसे ज्यादा मतों से बीजेपी प्रत्याशी जीते, जो रिकार्ड है अनेक प्रदेशों मे विपक्ष का सफाया कर दिया 10 साल की सरकार के बाद भी सबसे बड़ी पार्टी फिर ये लगभग, 23% मत पाने वाले ऐसा क्यों कह रहे है की इनको नकार दिया, समझ नहीं आ रहा है। हम भारत के लोग लोग मतदान में रुचि 60 एग्जिट पोल में रुचि और मतगणना में रुचि रखते हैं। आज से ईवीएम सती सावित्री घोषित हुई। हम हिन्दू ऐसी गाय हैं जो पालने वाले किसान से नाराज होकर कसाई के पास चले जाते हैं। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के बाद मिला जनादेश बता रहा है की मथुरा में श्रीकृष्ण और काशी में शिवलिंग मस्जिद में ही ठीक है। आईपीएस अन्नामलई चुनाव हार गया है और जेल में बंद आतंकवादी अमृतपाल 1 लाख+ से जीत गया है।

कल्पना कीजिए क्या सोच है?

रामायण का अंतिम ज्ञान यह है कि...राजा राम ने कितना भी कष्ट सहकर प्रजा को सुखी संतुष्ट करने का अथक परिश्रम से प्रयास किए। किंतु संपूर्ण प्रजा कभी भी संतुष्ट नहीं हुई क्या वही स्थिति आज भी नहीं है? चुनाव परिणाम का दुख है।

यादव का टेकऑफ

चुनाव के नतीजों ने इस बार भाजपा शासित राज्यों में मुख्यमंत्रियों की 'रैंकिंग' भी बदल दी है। मप्र में जब सीएम चुना जा रहा था, तब वे विधायकों के साथ पिछली कतार में बैठे थे लेकिन इस क्लीन स्वीप ने नए सीएम मोहन यादव को भाजपा की अगली पंक्ति में ला खड़ा किया है। सभी 29 सीटों पर जीत का यह नतीजा यादव को ब्रांड के रूप में स्थापित करेगा। उनका उपयोग भाजपा ने उप्र, झारखंड, बिहार व दिल्ली में भी किया था, हालांकि मप्र में वीडी शर्मा व शिवराज की मेहनत भी शामिल थी, लेकिन इस बार चेहरा यादव थे और वे हाईकमान की परीक्षा में खरे उतर गये। जबकि उप्र में योगी, असम में सरमा, गुजरात में पटेल व यादव के समकालीन विष्णुदेव साय व भंवरलाल शर्मा इस करिश्में से चूक गए। यादव का टेकऑफ उन्हें फिलहाल तो राजनीतिक रूप से फायदा देता रहेगा।

सम्पादकीय

परिणामों ने चौकाया

इस चुनाव में गठबंधन की बहुत बड़ी भूमिका रही है। जहां, भाजपा इस बार गठबंधन के मोरचे पर कमजोर थी, वहीं कांग्रेस ने आगे बढ़कर गठबंधन किया। यहां यह याद कर लेना जरूरी है कि गठबंधन करके आगे बढ़ने के प्रति कांग्रेस जब गंभीर नहीं थी, तब उसे सियासी नुकसान हुआ था और देश में प्रमुख दल होने का उसका गौरव भी छिन गया था। इस बार चुनाव से पहले कांग्रेस ने गठबंधन के प्रति पर्याप्त गंभीरता दिखाकर एक नए प्रकार की राजनीतिक संस्कृति को जन्म दिया है, यह संस्कृति भले ही भाजपा को उखाड़ फेंकने के लिए खड़ी हुई, पर लगता है, आने वाले कुछ वर्षों में विपक्षी गठबंधनों के लिए यही तरीका मुफीद है। जहां तक सत्ता पक्ष की बात है, समर्थन में आई कमी सोचने का अवसर है और यह सोचना तब ज्यादा सार्थक होगा, जब जनता के अनुरूप और अच्छी नीतियों के साथ कामकाज में सुधार किया जाएगा।

अठारहवीं लोकसभा चुनाव के परिणाम न केवल चौंकने, बल्कि सोचने पर भी मजबूर कर रहे हैं। कोई बहुत बड़ा उलट-फेर नहीं है, पर जो हुआ है, उसकी तरह-तरह से विवेचना संभव है। अगर शुद्ध गणितीय दृष्टि से देखें, तो कुल मिलाकर, केंद्र में सत्तारूढ़ प्रमुख पार्टी को जोर कम हुआ है। चार सौ पार पहुंचने का उसका मनसूबा पूरा नहीं हुआ। पिछले चुनाव में भाजपा को अकेले ही 303 सीटों के साथ भारी बहुमत मिला था, पर इस बार बहुमत दरकता दिखा है। वैसे, भारत जैसे राजनीतिक, सामाजिक विविधता वाले देश में यह कोई कम बड़ी बात नहीं कि एक पार्टी-एक नेता नरेंद्र मोदी लगातार दो बार सत्ता में रहने के बावजूद तीसरी दफा भी मिले-जुले जनादेश के बाद सरकार बनाने में सक्षम हो गए हैं। उन्हें न जाने क्या-क्या कहा गया, लेकिन व्यापकता में लोगों की नजरों में वह अभी भी देश के नंबर वन नेता हैं।

हां, यह जरूर है कि साल 2014 और साल 2019 के चुनाव में भाजपा को अकेले ही बहुमत हासिल था और अन्य सहयोगियों के साथ वह बहुत आसानी से दस साल तक सरकार चला पाई। अब ताजा चुनावी नतीजे पहला इशारा तो यही कर रहे हैं कि तीसरी बार भाजपा को सरकार चलाने में उतनी सुविधा नहीं होगी। मतलब, देश में दस साल बाद फिर गठबंधन पर निर्भरता का दौर लौट आया है। विपक्ष के नजरिये से अगर परिणामों को देखा जाए, तो यह एक बड़ी कामयाबी है कि प्रमुख विपक्षी गठबंधन के पास सवा दो सौ से ज्यादा सीटें हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में विपक्षी गठबंधन यूपीए के पास 92 सीटें थीं, पर अब इंडिया ब्लॉक के पास इतनी सीटें हैं कि वह मजबूती के साथ सत्ता पक्ष को चुनौती दे सकता है। पिछले चुनाव में समाजवादी पार्टी विपक्ष में तो थी, पर कांग्रेस के साथ नहीं थी, इस बार कांग्रेस के साथ उसका होना खासतौर पर उत्तर प्रदेश में रंग लाया है। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ ही कांग्रेस को भी बहुत लाभ हुआ है। समाजवादी पार्टी देश में तीसरे नंबर की पार्टी बनकर उभरी है, तो देश में दूसरे नंबर की पार्टी के रूप में कांग्रेस ने अपने प्रदर्शन को बहुत सुधारा है। पिछले दो चुनावों में वह 44 और 52 सीटों पर सिमट गई थी, जिससे मुख्य विपक्षी पार्टी और नेता प्रतिपक्ष का आधिकारिक दरजा भी उसे नहीं मिल सका। इस बार कांग्रेस के पास 20 प्रतिशत के करीब सीटें हैं और उसे मुख्य विपक्षी होने का आधिकारिक दर्जा मिल जाएगा। अत-लोकसभा में कांग्रेस के पास एक नई शुरुआत करने का मौका है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में आमजन आगे बढ़कर करें सहभागिता-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व पर्यावरण दिवस से प्रारंभ हो रहे जल संरक्षण-संवर्धन के विशेष अभियान जल गंगा संवर्धन अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने का आव्हान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर पारंपरिक देशज दृष्टि और संस्कार के अनुरूप जल तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहते हुए वैज्ञानिक दृष्टि से जल के औषधतत्व, उसकी सार्वभौमिकता को प्राथमिकता आधारित जल गंगा संवर्धन अभियान विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून 2024) से प्रारंभ हो रहा है। यह गंगा दशमी (16 जून 2024) तक चलेगा। जल संवर्धन और संरक्षण के लिये आमजन को प्रेरित करने के लिये विविध गतिविधियों का सफल क्रियान्वयन कर अभियान को भव्य बनाया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन विशेष अभियान में जल संरचनाओं के उन्नयन कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर कराये जाएंगे। जल संरचनाओं से मिलने वाले गंदे पानी के नाले अथवा नालियों को डायवर्सन के उपरांत शोधित कर जल संरचना में छोड़ा जाएगा। जल संरचनाओं को व्यवसाय व रोजगार मूलक बनाने के उद्देश्य से पर्यटन, मत्स्य पालन, सिंघाड़े का उत्पादन जैसी संभावनाओं का स्पष्टतः निर्धारण किया जाएगा। चिन्हित जल संरचनाओं की मोबाइल ऐप से जियो टैगिंग भी की जाएगी। जल संग्रहण संरचना से निकाली गई मिट्टी एवं खाद का उपयोग स्थानीय कृषकों के खेतों में किए जाने को प्राथमिकता दी जाएगी। जल संरचनाओं के किनारे पर यथा संभव बफर जोन तैयार किए जाएंगे। इस जोन में अतिक्रमण से बचाने एवं नदी तालाबों के कटावों को रोकने के लिए हरित क्षेत्र पार्क का विकास जैसे कार्य किए जाएंगे। नगरीय क्षेत्र में जल संरचनाओं के जल की गुणवत्ता की जांच भी की जाएगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश की सभी प्रमुख नदियों (नर्मदा, चम्बल, ताप्ती, सोन, बेतवा, तवा, क्षिप्रा, केन, सिंधु, पार्वती, टोंस आदि) और ऐतिहासिक एवं पारम्परिक जल संरचनाओं (तालाब, झील, कुंआ, बावड़ी आदि) के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए सम्पूर्ण प्रदेश में अभियान चलेगा। इसमें प्रमुख नदियों एवं जल स्त्रोतों के निकट धार्मिक स्थानों, तीर्थ स्थलों, मेले एवं पुरातात्विक सम्पदाओं पर वृहद साफ-सफाई, सजावट तथा लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों/भजनों से लोक रुचि के कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

विशेष अभियान में प्रदेश की लगभग 212 नदियों, जल संरचनाओं और जो पारंपरिक जलस्त्रोतों का सैटेलाइट मैपिंग करवा कर प्राचीन वांग्मय, परंपरा, लोक आख्यान के संदर्भों के साथ सर्वे आधारित दस्तावेजी ग्रंथ प्रकाशित किए जाएंगे। नदियों के सांस्कृतिक एवं पारम्परिक और वांग्मयी तथा लोक साहित्य अध्ययन एवं नदियों, ऐतिहासिक पारम्परिक जल संरचनाओं को सतत प्रवाह्मान रहने के लिए सुझाव लिये जाएंगे। साथ ही इंजीनियरिंग पक्ष का अध्ययन, फोल्डर निर्माण, बुकलेट, विषय संबंधी लेख भी प्रकाशित कराये जाएंगे। विशेष अभियान में ऐतिहासिक एवं पारम्परिक जल संरचनाओं को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाएगा। साथ ही ऑडियो-विडियो सीडी का लोकार्पण किये जाएंगे।

विशेष अभियान में प्रदेश की सभी प्रमुख नदियों से जुडे प्राचीन मंदिरों, पुरातात्विक सम्पदाओं का जीर्णोद्धार, रखरखाव एवं जलीय जीव, वनस्पतियों आदि का अध्ययन एवं संरक्षण किया जाएगा। इसमें उज्जैन की क्षिप्रा परिक्रमा, क्षिप्रा नदी को चुनरी, आभूषण अर्पण उत्सव, पंचामृत पूजन एवं नर्मदा के किनारे धार्मिक आयोजन जनभागीदारी से किये जाएंगे।

विशेष अभियान में 15 एवं 16 जून, 2024 को क्षिप्रा नदी के तट पर गरिमामयी सांगीतिक प्रस्तुति का आयोजन किया जाएगा। साथ ही डोली बुआ, हरिकथा (नारद कथा गायन परंपरा) प्रस्तुति एवं कलाकारों का सम्मान भी विशेष रूप से किया जाएगा। गंगा दशमी पर पारंपरिक शिप्रा परिक्रमा को बड़े स्तर पर संयोजित किया जाएगा।

जन-जागरूकता के उद्देश्य से 6 जून को प्रत्येक नगरीय निकाय में जल सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। 8 जून को जन भागीदारी से श्रमदान कर जल संरचनाओं की साफ सफाई की जाएगी। 9 जून को जल संरचनाओं के समीप कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा साथ ही 9 जून को ही जल संरक्षण विषय पर निबंध, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय छात्र-छात्राएं सहभागिता करेंगे। 10 से 16 जून तक योजनानुसार जीर्णोद्धार के साथ-साथ जल संरचनाओं की साफ-सफाई भी होगी। 15 व 16 जून को गंगा दशमी के अवसर पर प्रमुख जल स्रोतों के किनारे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत गंगा आरती, भजन समारोह इत्यादि आयोजित किये जायेंगें। यह भी निर्देशित किया गया है कि जल स्त्रोतों के संरक्षण, जीर्णोद्धार व उन्नयन कार्यक्रम की मॉनिटरिंग प्रतिदिन की जायेगी।

इस अभियान के दौरान नगरीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की नदियों और जल संरचना के संरक्षण, संवर्धन, पुनरुद्धार और साफ सफाई के लिए नियोजित जलाभिषेक अभियान का संकल्प गंगा दशमी (16 जून 2024) को कराएंगे। पूरे प्रदेश में ग्राम, पंचायत, जनपद, नगरीय निकाय एवं जिलों के मुख्यालयों में सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जलाभिषेक का संकल्प जनसामान्य द्वारा लिया जायेगा।

कांग्रेस की राजग में सेंध लगाने की कोशिश

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों की मतगणना के रूझानों में इंडिया समूह के शानदार प्रदर्शन और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बहुमत के आंकड़े से दूर रहने के बाद कांग्रेस राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सेंध लगाने में जुट गयी है और उसने राजग के सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी के साथ संपर्क साधा है जिसे देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी तेदेपा नेता एन चंद्रबाबू नायडू से टेलीफोन पर बात की है। आंकड़ों में भाजपा की सीटें 240 से 245 के बीच अटकने और कांग्रेस नीत इंडिया समूह की सीटें 225 से 227 के आसपास पहुंचते ही कांग्रेस ने राजग के घटक दलों में सेंध लगाने के उद्देश्य से तेदेपा से संपर्क साधा है। यह भी खबर उड़ी कि जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतीश कुमार से भी संपर्क साधा जा सकता है। अनुसार इसके कुछ ही देर बात श्री मोदी ने श्री नायडू से टेलीफोन पर बात की और आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने पर बधाई दी। समझा जाता है कि श्री मोदी ने श्री नायडू के साथ केन्द्र में भी सरकार के गठन को लेकर बात की है।

म.प्र. में भाजपा ने किया क्लीन स्वीप, एक सीट भी नहीं जीत पाई कांग्रेस

भोपाल। लोकसभा चुनाव 2024 के अंतर्गत मतगणना के बाद देर रात मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्यप्रदेश में क्लीन स्वीप किया है। कांग्रेस को यहां एक भी सीट भी नहीं मिल पाई है। भाजपा ने प्रदेश की सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज की है।

प्रदेश सहित देश भर में मिली जीत पर भोपाल स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में मंगलवार शाम को विजय उत्सव मनाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद सहित वरिष्ठ नेतृत्व ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी और जनता का आभार जताया।

नतीजों की बात करें तो इंदौर में भाजपा को लोकसभा इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी जीत मिली है। यहां से शंकर लालवानी रिकॉर्ड 11 लाख 75 हजार 92 वोट से जीते हैं। इंदौर सीट पर दूसरे नंबर पर नोटा रहा। यहां नोटा को दो लाख 18 हजार 674 वोट मिले हैं। यह भी एक रिकॉर्ड है। इससे पहले इतिहास में एक सीट पर नोटा को इतने वोट नहीं मिले हैं। इंदौर में तीसरे नंबर पर रहे बसपा प्रत्याशी को 51659 वोट मिले हैं। वहीं, विदिशा से भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की 8 लाख 21 हजार 408 वोटों से जीत हुई है। गुना सीट से सिंधिया की पांच लाख से ज्यादा वोटों से जीत हुई है। वहीं भोपाल से भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा और खजुराहो से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी पांच लाख से ज्यादा वोटों से जीते हैं। राजगढ़ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह एक लाख 40 हजार से ज्यादा वोटों से हार गए। छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ भी हारे हैं। यहां से भाजपा के विवेक बंटी साहू ने एक लाख 13 हजार 618 वोटों से जीत हासिल की।

रतलाम सीट से पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया भी हार गए हैं।

गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पांच लाख 40 हजार 929 वोट से जीते हैं। टीकमगढ़ में वीरेंद्र कुमार खटीक को 4 लाख 3 हजार 312 और मंडला सीट से केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते एक लाख 3 हजार 846 वोटों से जीत मिली है। लोकसभा चुनाव में मिली विजय पर मंगलवार देर शाम भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय और भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने प्रदेश के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करते हुए उनके अथक परिश्रम की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बधाई दी। साथ ही देश और प्रदेश के लाखों लाख कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए जनता का आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर ढोल-ढमाकों के साथ अपनी खुशियां जाहिर की। कार्यकर्ताओं ने मोदी है तो मुमकिन है और भाजपा जिंदाबाद के नारे बुलंद करते हुए एक दूसरे का मुंह मीठा कराते हुए प्रचंड जीत की बधाई दी।

म.प्र. के सभी 29 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम घोषित

भोपाल। मुख्यनिर्वाचन पदाधिकारी श्रीअनुपम राजन ने बताया कि लोकसभानिर्वाचन 2024 के अंतर्गतमध्यप्रदेश के सभी 29 लोकसभासंसदीय क्षेत्रों के निर्वाचनपरिणाम घोषित कर दिये गये हैं। निर्वाचन परिणाम की जानकारी इसप्रकार है-

संसदीय क्षेत्र क्र.	संसदीयक्षेत्र का नाम	विजेता अभ्यर्थी	प्राप्त कुल वोट	जीत का अंतर
1.	मुरैना	श्रीशिवमंगल सिंह तोमर	5,15,477	52,530
2.	भिण्ड (अजा)	श्रीमतीसंध्या राय	5,37,065	64,840
3.	ग्वालियर	श्री भारत सिंह कुशवाहा	6,71,535	70,210
4.	गुना	श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया	9,23,302	5,40,929
5.	सागर	डॉ. लता वानखेड़े	7,87,979	4,71,222
6.	टीकमगढ़ (अजा)	डॉ. वीरेन्द्र कुमार	7,15,050	4,03,312
7.	दमोह	श्री राहुल सिंह लोधी	7,09,768	4,06,426
8.	खजुराहो	श्री विष्णु दत्त शर्मा	7,72,774	5,41,229
9.	सतना	श्री गणेश सिंह	4,59,728	84,949
10.	रीवा	श्री जनार्दन मिश्रा	4,77,459	1,93,374
11.	सीधी	डॉ. राजेश मिश्रा	5,83,559	2,06,416
12.	शहडोल	श्रीमती हिमाद्री सिंह	7,11,143	3,97,340
13.	जबलपुर	श्री आशीष दुबे	7,90,133	4,86,674
14.	मंडला	श्री फग्गन सिंह कुलस्ते	7,51,375	1,03,846
15.	बालाघाट	श्रीमती भारती पारधी	7,12,660	1,74,512
16.	छिंदवाड़ा	श्री बंटी विवेक साहू	6,44,738	1,13,618
17.	होशंगाबाद	श्री दर्शन सिंह चौधरी	8,12,147	4,31,696
18.	विदिशा	श्री शिवराज सिंह चौहान	11,16,460	8,21,408
19.	भोपाल	श्री आलोक शर्मा	9,81,109	5,01,499
20.	राजगढ़	श्री रोडमल नागर	7,58,743	1,46,089
21.	देवास(अजा)	श्रीमहेन्द्र सिंह सोलंकी	9,28,941	4,25,225
22.	उज्जैन (अजा)	श्री अनिल फिरोजिया	8,36,104	3,75,860
23.	मंदसौर	श्रीसुधीर गुप्ता	9,45,761	5,00,655
24.	रतलाम (अजजा)	अनिता नागरसिंह चौहान	7,95,863	2,07,232
25.	धार (अजजा)	श्रीमतीसावित्री ठाकुर	7,94,449	2,18,665
26.	इंदौर	श्री शंकर ललवानी	12,26,751	11,75,092
27.	खरगौन (अजजा)	श्रीगजेन्द्र सिंह पटेल	8,19,863	1,35,018
28.	खंडवा	श्री ज्ञानेश्वर पाटिल	8,62,679	2,69,971
29.	बैतूल (अजजा)	श्री दुर्गादास उईके	8,48,236	3,79,7613

रतलाम में भाजपा ने फहराया परचम

रतलाम। लोकसभा चुनाव में जिले से आशातीत परिणाम आये हैं। मतगणना में जिले की तीनों संसदीय सीटों रतलाम झाबुआ, अलीराजपुर, से अनिता नागरसिंह चौहान, जावरा मन्दसौर, नीमच से सुधीर गुप्ता, तथाआलोट उज्जैन संसदीय क्षेत्र सेअनिल फिरोजिया काफी मतों के अंतर से कांग्रेस प्रत्याशियों को पराजित कर विजयी हुए हैं। रतलाम झाबुआ अलीराजपुर संसदीय क्षेत्र में जिले की तीन विधानसभा सीटें है इनमें भाजपा रतलाम शहर से 55679मतों से रतलाम ग्रामीण में46579मतों से विजयी रही जबकि कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया सैलाना विधानसभा क्षेत्र से करीब 11765 मतों सेविजयी हूए, हालांकि उन्हें संसदीय चुनाव में भारी मतों से पराजय मिली। मन्दसौर संसदीय क्षेत्र से जुडी जावरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता भाजपा 57574मतों से विजयी होकर पुनः संसद में पंहुचे है। इन्होंने दिलीपसिंह गुर्जर को पराजित किया है। इसी प्रकार जिले की आलोट विधानसभा सीट उज्जैन संसदीय क्षेत्र से जुड़ी है यहां से भाजपा के विजयी उम्मीदवार अनिल फिरोजिया करीब 67524 मतों से विजयी होकर संसद में पंहुचे है। इन्होंने महेश परमार को पराजित किया है।

भाजपा ने प्रदेश की सभी 29 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया

भोपाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए यह गौरव की बात है कि भाजपा ने प्रदेश की सभी 29 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया है। मध्य प्रदेश के मतदाताओं ने एक बार पुन: एमपी के मन में मोदी के नारे को चरितार्थ किया है। मोदी का तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री चुना जाना एक अभूतपूर्व क्षण है। विष्णुदत्त शर्मा लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद पार्टी कार्यालय में मनाये गए जश्न के दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। दरअसल, लोकसभा चुनाव में भाजपा ने मध्य प्रदेश में क्लीन स्वीप करते हुए सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज की है। भाजपा को मध्य प्रदेश सहित देश भर में मिली विजय पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में विजय उत्सव मनाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद सहित वरिष्ठ नेतृत्व ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी और जनता का आभार जताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल संगठन और मध्य प्रदेश के कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत से मध्य प्रदेश में भाजपा को सभी 29 सीटों पर ऐतिहासिक विजय मिली है। जीत के लिए प्रदेश के देवतुल्य कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कम समय में प्रदेश की जनता को जो विश्वास जीता है, उसका बहुत बड़ा योगदान है। देश में आज फिर इतिहास बनने जा रहा है। देश और प्रदेश की जनता ने नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए मतदान किया है।

टीम भावना से कार्य करके मध्य प्रदेश ने रचा इतिहास

शर्मा ने कहा कि विधानसभा के चुनाव में प्रदेश की जनता ने बता दिया था कि एमपी के मन में मोदी हैं। लोकसभा के चुनाव में भी छिंदवाड़ा सहित प्रदेश की सभी 29 सीटों में ऐतिहासिक विजय टीम भावना से कार्य करते हुए प्राप्त हुई है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार ने जो कार्य किया है, उसको प्रदेश के कोने-कोने में पहुंचाकर भाजपा ने यह इतिहास रचा है। इस बार छिंदवाड़ा में भी कमल खिल गया है। मैं प्रदेश की जनता को इस प्रचंड जीत पर शुभकामनाएं देता हूं। देश की जनता ने पहले ही तय कर लिया था कि मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। देश की जनता ने एनडीए को बहुमत दिया और मोदी जी तीसरी बार सरकार बनाएंगे और गरीब कल्याण और विकास की रफ्तार जिस गति से चल रही है वो निरंतर चलती रहेगी। मध्य प्रदेश के मतदाताओं ने एक बार फिर यह दिखा दिया है कि अगर मोदी के मन में एमपी है, तो एमपी की जनता भी प्रधानमंत्री मोदी से उतना ही प्यार और विश्वास करती है।

एमपी के मन में मोदी का भाव साकार हुआ : शिवराज सिंह चौहान

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह विजय उत्सव है। पिछले चुनाव में भाजपा ने मध्य प्रदेश में 28 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त की थी। छिंदवाड़ा नहीं जीत पाने की कसक थी। इस चुनाव में केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में कार्यकर्ताओं और प्रदेश संगठन की मेहनत से छिंदवाड़ा लोकसभा में ऐतिहासिक विजय मिली है, अब वह कसक भी समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि एमपी के मन में मोदी का भाव साकार हुआ है। मध्य प्रदेश की जनता ने बता दिया कि नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। केन्द्र में तीसरी बार सरकार बनाना चमत्कार है। प्रधानमंत्री मोदी ने जो संकल्प व्यक्त किया है कि आप सभी अगले 25 वर्ष देश के लिए समर्पित कर दो। यह विराट जीत है, यह महाविजय है। अब भारत को विकसित बनाने के लिए मध्यप्रदेश को विकसित बनाना होगा, इसके लिए हम मेहनत की पराकाष्ठा करेंगे। मध्य प्रदेश को विकसित बनाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर धरातल पर कार्य करना है। इस ऐतिहासिक विजय के लिए पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं को हृदय से अभिनंदन, आभार। कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री डॉ. यादव और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा ने भी संबोधित किया।

पार्टी की जीत पर प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक विजय पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने वरिष्ठ नेतृत्व के साथ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय और भारत माता के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने प्रदेश के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करते हुए उनके अथक परिश्रम की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बधाई दी। साथ ही देश और प्रदेश के लाखों लाख कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए जनता का आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर ढोल-ढमाकों के साथ अपनी खुशियां जाहिर की। कार्यकर्ताओं ने मोदी है तो मुमकिन है और भाजपा जिंदाबाद के नारे बुलंद करते हुए एक दूसरे का मुंह मीठा कराते हुए प्रचंड जीत की बधाई दी। इस दौरान महाराष्ट्र के सह प्रभारी जयभान सिंह पवैया, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, प्रदेश उपाध्यक्ष व सांसद आलोक शर्मा, प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, विष्णु खत्री, पूर्व मंत्री संजय पाठक, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी मंचासीन रहे।

इंदौर से भाजपा उम्मीदवार शंकर लालवानी विजयी हुई

इंदौर। इंदौर में लोकसभा निर्वाचन के तहत शांतिपूर्ण रूप से मतगणना सम्पन्न हुई। इंदौर लोकसभा क्षेत्र के लिए भारतीय जनता पार्टी के शंकर लालवानी को विजयी घोषित किया गया। लालवानी को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने निर्वाचन का प्रमाण पत्र सौपा। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायकगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इंदौर में विधानसभा क्षेत्रवार मतों की गणना की गई मतगणना के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक भी मौजूद थे। इंदौर से शंकर लालवानी ने 11 लाख 75 हजार 92 वोटों से जीत दर्ज कर रचा इतिहास। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार संजय सोलंकी को पराजित किया। लालवानी को कुल 12 लाख 26 हजार 751 मत मिले। उनके बाद दूसरे नंबर पर नोटा रहा। इस संख्या ने भी भारत के चुनावी इतिहास में रिकार्ड बनाया। कुल 2 लाख 18 हजार 674 वोट नोटा में पड़े। बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार संजय सोलंकी को 51659 मत प्राप्त हुए।

27 साल बाद ढहा कमलनाथ का किला

कांग्रेस का अभेद्द किला माने जाने वाली मध्य प्रदेश की छिंदवाड़ा सीट पर बीजेपी सेंध लगाने में कामयाब होती दिख रही है। बीजेपी उम्मीदवार बंटी विवेक साहू कांग्रेस के कद्दावर नेता कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ को फछाड़ते हुए एक लाख वोटों से आगे चल रहे हैं। इसी के साथ बीजेपी उम्मीदवार की जीत लगभग तय हो चुकी है। आजाद भारत के इतिहास में यह दूसरी बार है जब कांग्रेस को हार का स्वाद चखना पड़ा है। इससे पहले 1997 में भी बीजेपी ने कांग्रेस को उसी के गढ़ में मात देते हुए जीत का परचम लहराया था। तब कमलनाथ को बीजेपी के सुंदर लाल पटवा से हार झेलनी पड़ी थी। छिंदवाड़ा सीट पर सबसे पहला लोकसभा चुनाव साल 1952 में हुआ था। तब कांग्रेस उम्मीदवार और गुजरात के रहने वाले रायचंद भाई शाह ने यहां जीत हासिल की थी। इसके बाद लगातार 10 लोकसभा चुनावों में कांग्रेस उम्मीवार ही यहां सांसद चुना गया। कमलनाथ ने 1980 में पहली बार छिंदवाड़ा से लोकसभा चुनाव लड़ा और फिर 1996 तक कमलनाथ परिवार का ही इस सीट पर कब्जा रहा। साल कांग्रेस का अभेद्द किला बन चुकी इस सीट पर बीजेपी ने सबसे पहली सेंध 1997 में लगाई थी। दरअसल कमलनाथ के हवाला कांड के आरोप में घिरने के बाद 1996 के लोकसभा चुनाव में कमलनाथ की जगह उनकी पत्नी अल्का नाथ को टिकट दिया गया था।

तब वह भी चुनाव जीत गई थीं। लेकिन जब कमलनाथ आरोपों से बरी हुए तो उनकी पत्नी ने जीत के 8 महीने बाद ही सांसद पद इस्तीफा दे दिया। इसके बाद 1997 में हुए उपचुनाव में कमलनाथ खड़े हुए।

बीजेपी ने इसे महिला का अपमान बताया और मुद्दे को भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। नतीजन कमलनाथ यह चुनाव हार गए और पहली बार बीजेपी उम्मीदवार छिंदवाड़ा से सांसद बना। हालांकि 1998 में फिर चुनाव हुए और एक बार फिर कमलनाथ ही सासंद चुने गए। लगातार 2014 तक जीत हासिल करने के बाद कमलनाथ ने ये सीट साल 2019 में अपने बेटे नकुलनाथ को दे दी। नकुलनाथ ने भी 2019 का चुनाव जीत लिया लेकिन इस बार मोदी लहर नाथ परिवार पर भारी पड़ गई और बीजेपी उम्मीदवार ने नकुलनाथ को पटखनी दे दी। छिंदवाड़ा में इस बार कांग्रेस ने फिर से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ पर दाव खेला, जबकि भाजपा ने इस सीट पर 2019 में कांग्रेस से पराजित हुए अपने पूर्व प्रत्याशी बंटी विवेक साहू को मैदान में उतारा था। तीन बजे तक सामने आए रुझानों के अनुसार बीजेपी प्रत्याशी साहू ने पांच लाख 99 हजार 323 मत हासिल कर एक लाख से अधिक मतों की बढ़त बना ली है। यहां पर दूसरे नंबर पर बरकरार कांग्रेस के नकुलनाथ ने चार लाख 93 हजार से अधिक मत हासिल किए। अब तक मिले रुझानों के अनुसार छिंदवाड़ा के 6,999 मतदाताओं ने इस197 चुनाव में नोटा को चुना है। यहाँ कुल 15 प्रत्याशी मैदान में हैं। इस सीट पर पिछले लगभग चार दशकों से वरिष्ठ नेता कमलनाथ और उनके परिवार का कब्जा रहा है, जिसमें अब भाजपा सेंध लगाती दिख रही है।

मथुरा सीट पर भाजपा को दूसरी हैट्रिक दिलाने वाली सांसद बनी हेमा मालिनी

मथुरा। कान्हा की नगरी में ड्रीमगर्ल अभिनेत्री ने हैट्रिक बनाकर विपक्ष को बुरी तरह से परास्त कर दिया है। भाजपा प्रत्याशी हेमा मालिनी ने 2,93,407 मत से जीत हासिल करके तीसरी बार सांसद बन चुकी हैं। उन्हें कुल 5 लाख 09 हजार 577 वोट मिले हैं। वहीं कांगेस प्रत्याशी मुकेश धनगर को 2 लाख 16 हजार 657 वोट और बसपा के सुरेश सिंह को एक लाख 88 हजार 417 वोट मिले है, वहीं भानु प्रताप निर्दलीय को 15665 वोट मिले है।

उल्लेखनीय है कि 9 लाख 52 हजार 483 वोटिंग हुई, जिसमें नोटा 4563 रहा है, जबकि 417 वोट रिजेक्ट हुए है। मंगलवार देर सांय जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेन्द्र कुमार ने भाजपाईयों के बीच हेमा को जीत का प्रमाण पत्र दिया है और सभी मतदाताओं का आभार जताया है।

गौरतलब है कि फिल्म अभिनेत्री और भाजपा नेत्री हेमा मालिनी फिर से सांसद बनी हैं, वह दूसरी ऐसी सांसद हैं, जिन्होंने हैट्रिक लगाई है। वर्ष 1996, 98 और 1999 में चौधरी तेजवीर सिंह भाजपा से लगातार तीसरी बार जीते थे। ऐसे में हेमा भाजपा की दूसरी हैट्रिक लगाने वाली सांसद हैं। पश्चिम की प्रभावी जाट बेल्ट में शुमार मथुरा सीट पर भाजपा से तीसरी बार जीत के लिए सुपर स्टार हेमा मालिनी मैदान में उतरी थी। वह उन नेताओं में हैं, जो 75 वर्ष की आयु के बावजूद टिकट पाने में सफल रही थीं।

उत्तर प्रदेश में कान्हा की नगरी मथुरा में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को वोटिंग हुई। हालांकि इस बार यहां के वोटरों में चुनाव को लेकर खास उत्साह नहीं दिखा। इसके चलते साल 2019 के मुकाबले वोटिंग प्रतिशत 5 फीसदी गिर कर 49.29 पर आ गया। इस बार इस लोकसभा सीट पर मुख्य मुकाबला बीजेपी के टिकट पर मैदान में उतरीं दो बार की सांसद और खूबसूरत अभिनेत्री हेमा मालिनी और कांग्रेस के टिकट से मुकेश धनगर से था। बीजेपी की हेमा मालिनी इस रेस में मंगलवार सुबह से ही देरशाम तक बढ़त बनाए हुई थी। उन्होंने अपने प्रतिद्वन्दी मुकेश धनगर को हराकर 510064 मत प्राप्त किए। जिसमें उनको छाता विस में 107946 मत, मांट विस से 86123, गोवर्धन विस से 82394, मथुरा विस में 137633 तथा बलदेव विस से 92952 मत मिले। इसके अलावा पोस्टल से हेमा को 2529 मत मिले। वहीं सपा-कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी मुकेश धनगर ने पहली बार में ही 2 लाख 16 हजार 657 मत प्राप्त करके सभी को हैरान कर दिया। इसके अलावा बसपा प्रत्याशी सुरेश सिंह एक लाख 88 हजार 417 मत ही मिल सके। भानु प्रताप सिंह निर्दलीय प्रत्याशी ने 15665 ही मत प्राप्त कर सके।

योगीराज श्री कृष्ण की नगरी में जैसे ही हेमा मालिनी की जीत सुनिश्चित हुई तो प्रकृति मेहरबान हो गई। जिसके चलते आंधी के साथ आई बरसात बृजवासियों को तपती धूप से निजात दिला दी। बृजवासी सुबह से ही सोच रहे थे की जीत तो हेमा मालिनी की होगी, मगर ऐसे में प्रकृति क्या अपना आशीर्वाद देकर लोगों को भीषण गर्मी से निजात दिलाएगी। इंद्रदेव ने बृजवासियों की करुण पुकार को सुन लिया और सांध्यकालीन बेला में जबरदस्त आंधी तूफान के बीच रिमझिम बरसात कर सबको आनंदित कर दिया।

दिल्ली में खिले सात कमल

नई दिल्ली। दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर एक बार फिर कमल खिला है। भाजपा ने दिल्ली की सभी सीटों पर शानदार जीत हासिल की है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) ने मिलकर काफी दम लगाया, लेकिन कुछ खास अंतर होता नजर नहीं आया। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार उत्तर पूर्वी दिल्ली में भाजपा के मनोज तिवारी 1 लाख 37 हजार अधिक वोटों से कांग्रेस के कन्हैया कुमार को हराया। मनोज तिवारी ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की ह।

नई दिल्ली सीट से भाजपा की बांसुरी स्वराज ने आआपा के सोमनाथ भारती को 78,000 से अधिक वोटों से हराया। दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा के रामवीर सिंह बिधूड़ी ने 01 लाख 24 हजार अधिक मतों से जीत दर्ज की। उन्होंने आम आदमी पार्टी के सही राम को हराया। उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा के योगेन्द्र चंदोलिया ने कांग्रेस के उदित राज को 2,74,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया। पूर्वी दिल्ली सीट से भाजपा के हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी के कुलदीप कुमार के खिलाफ 81,000 से अधिक मतों से जीत दर्ज की। चांदनी चौक सीट से भाजपा के प्रवीण खंडेलवाल ने कांग्रेस के जय प्रकाश अग्रवाल को 89,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया। पश्चिमी दिल्ली सीट से भाजपा की कमलजीत सहरावत ने आम आदमी पार्टी के महाबल मिश्रा को 1,95,000 से अधिक मतों से हराया।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली में 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सातों सीटों पर जीत हासिल की थी। यही वजह है कि इस बार आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी ने मिलकर भाजपा को चुनौती दी है। गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी ने 4 और कांग्रेस ने 3 सीटों पर चुनाव लड़ा। लेकिन भाजपा का विजयरथ इस बार भी नहीं रुका। भाजपा को इस चुनाव में 54 प्रतिशत से अधिक वोट प्रतिशत मिला है।

आराधना पर दी मोहक नृत्य प्रस्तुति

उज्जैन। बचपन से ही यदि बच्चों को सही दिशा और मार्गदर्शन मिल जाए तो वे अपने जीवन में बहुत कुछ अच्छा कार्य कर सकते हैं। बचपन ही सीखने का श्रेष्ठ समय है। यह बात संस्कार भारती के अखिल भारतीय नाट्य विधा सहसंयोजक श्रीपाद जोशी ने बालमंच और परिष्कृति के बालनाट्य शिविर के समापन अवसर पर कही।

इस अवसर पर संस्कार भारती मालवा प्रांत के महामंत्री संजय शर्मा ने कहा कि बालमंच पिछले 40 सालों से बच्चों को इस तरह के प्रशिक्षण दे रहा है। उज्जैन के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ अनिल दुबे ने कहा कि सतीश दवे और उनकी टीम बच्चों की प्रतिभा को उजागर करने लिए बहुत मेहनत करती हैं। प्रसिद्ध शिक्षा शास्त्री और समाजसेविका साधना दुबे ने बच्चो के अभिनय और अन्य प्रस्तुतियों की बहुत प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों को इतने कम समय में इतना अच्छा सीखाना बहुत ही प्रशंसनीय है। सतीश दवे ने अभिभावकों का आभार मानते हुए कहा कि रंगमंच के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास आसानी से होता है। आपने अपनी टीम की कड़ी मेहनत के कारण बहुत कम समय में तैयार हुई प्रस्तुतियों की सराहना की। बाल मंच और परिष्कृति सामाजिक सांस्कृतिक संस्था उज्जैन के द्वारा आयोजित बाल नाट्य प्रशिक्षण शिविर जो 1 मई से 31 मई तक चल रहा था इसका समापन 2 जून रविवार की शाम 7 बजे कालीबाड़ी मंदिर विवेकानंद कॉलोनी में हुआ। समापन समारोह में बच्चों ने सर्वधर्म प्रार्थना और ज्योति की आराधना पर मोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद जीवन में अपने कर्त्तव्य के प्रति निष्ठावान की प्रेरणा देने वाले नाटक जहाँ चाह वहाँ राह (लेखक निर्देशक हर्षित शर्मा) की लुभावनी प्रस्तुति हुई। फिर बच्चों ने अपने राष्ट्र की आराधना के महत्व को दर्शाने वाला गीत प्रस्तुत किया। पर्यावरण का संदेश देने वाले नाटक चतुर खरगोश (लेखक निर्देशक अंशुल पटेल) में बच्चों ने खुलकर अच्छा अभिनय भी किया और बाद में दर्शकों को पौधे भी बांटे। बच्चों की अखाड़े की प्रस्तुति दर्शकों को बहुत पसंद आयी।

प्रशांत राजपूत के निर्देशन में वंदेमातरम् नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का नृत्य के साथ लुभावना संचालन विधि वर्मा-अवनि श्रीवास एवं दुर्गेश सूर्यवंशी ने किया। शिविर में बच्चों को ओरीगेमी का प्रशिक्षण सुदर्शन स्वामी ने दिया। बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी।

शिविर में मोहन सिंह तोमर ने संगीत का और शिरीष सत्यप्रेमी ने अखाड़े का प्रशिक्षण दिया। इस शिविर का संयोजन मधु लालवानी ने किया। इसमें सहयोगी आयुष शर्मा, राजवीर ठाकुर, ऋषि वर्मा, दिशा गोरे, हार्दिक वाजपेयी, शशिधर, याशिका, यश, आयुष और प्रियांशु रहे। आलोकन रौनक वर्मा ने किया।

जोर शोर से चलाया जा रहा बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान

उज्जैन। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान उज्जैन नगर में पूर्ण दक्षता के साथ संचालित किया जा रहा है। रोकथाम हेतु जिला स्तरीय दल जिला बाल संरक्षण इकाई, विशेष किशोर पुलिस इकाई, सम्बन्धित क्षेत्र की परियोजना अधिकारी तथा विकासखंड स्तरीय दल का गठन परियोजना अधिकारी आईसीडीएस, सम्बन्धित सेक्टर सुपरवाइजर व आंगनवाडी कार्यकर्ता को सम्मिलित कर किया गया है। विभाग द्वारा बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम हेतु संवेदनशील स्थलों महाकाल, हरसिद्धि, तीन बत्ती चौराहा, नागझिरी, समुद्र मंथन चौराहा, चामुण्डा माता चौराहा, टॉवर, आगर नाका, कोयला फाटक, चिंतामन जवासिया, डालडा ब्रिज/सिग्नल, शनि मंदिर, सिद्धवट, कालभैरव, रामघाट आदि स्थलों पर होर्डिंग्सं लगाए हैं।

इनमें बाल भिक्षावृत्ति के बदलते स्वरूप, बालकों द्वारा तिलक लगाने (महाकाल क्षेत्र) दुर्वा या पूजन सामग्री बेचने (चिंतामन आदि जगह), गाडियों के कांच साफ करने व चौराहे पर सामग्री बेचने (महामृत्युंजय द्वार, नागझिरी आदि चौराहे व परिवहन प्वांइट) वाले से सामग्री न क्रय करने, धनराशि न देने का आग्रह करते हुए भिक्षा नहीं शिक्षा दें संबंधी अपील की गई। जिला स्तरीय दल द्वारा 20 मई से सतत रूप से नगर में बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान चलाया जा रहा है। जिला दल द्वारा बालकों के निरीक्षण के साथ आस-पास दुकानदारो, जनमानस को बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम व बालकों को धनराशि न देने, न उनसे कोई सामग्री क्रय करने की समझाईश देकर भिक्षा नहीं शिक्षा दें का प्रचार किया जा रहा है।

जिला स्तरीय दल को निरीक्षण के दौरान मक्सी रोड पाइप फैक्ट्री चौराहे व आर.टी.ओ. चौराहे पर बालकों को गोद में लेकर महिलाएं गाडियों के कांच पोछती पाई गई, जिन्हें समझाईश दी गई। इस पर उनके द्वारा भविष्य में उक्त कृत्य नहीं करना बताया गया। जिला स्तरीय दल को अभियान के दौरान चिंतामन जवासिया में चार बालक माता-पिता के साथ दूर्वा बेचते हुए पाये गये, जिन्हें समझाईश दी गई। मंगलनाथ में एक बालक माता के साथ पाया गया, जिन्हें समझाईश दी गई। सिद्धवट में तीन बालक माता के साथ पाये गये, जिन्हें समझाईश दी गई एवं धरमबल्डा बडनगर रोड पर जाकर पूरे डेरे वालों को भी समझाईश दी गई। कालभैरव में दो बालिका पाई गई, जिन्हे उन्हेल चौराहा पारदी डेरा जाकर परिवार को समझाईश दी गई। रामघाट में दो बालिका मां के साथ निवासित हो अध्ययनरत है, को समझाईश दी गई। महाकाल में 6-7 बालक तिलक लगा रहे थे, जो टीम को देखकर भाग गये। एक बालिका जो तिलक लगा रही थी, के पिता संतोष प्रसाद की दुकान संचालक है, को समझाईश दी गई कि भविष्य में उक्त कृत्य करवाया तो कानूनी कार्यवाही की जायेगी। माला-फूल वालों को समझाईश दी गई।

जल संरक्षण एवं पुनर्जीवन अभियान के किए कार्यों की समीक्षा की

उज्जैन। शासन निर्देशानुसार जल संरक्षण एवं पुनर्जीवन अभियान के अंतर्गत उज्जैन नगर निगम द्वारा दिनांक 5 जून से 15 जून 2024 तक शहर के प्राचीन जल स्त्रोत, जल संरचनाएं, कुएं, बावड़ीयां एवं तालाबों,सप्तसागरों की सफाई एवं संवर्धन का कार्य जन सहयोग के माध्यम से किया जाएगा अभियान की शुरुआत 5 जून को प्रातः 7 बजे कमल तालाब की सफाई व्यवस्था से प्रारंभ होगा इस हेतु महापौर श्री मुकेश टटवाल की अध्यक्षता में अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें 5 जून से 15 जून तक अभियान को लेकर किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी से कहा कि इस अभियान को जन सहयोग के माध्यम से सफल बनाना है ताकि शहर के प्राचीन जल स्त्रोतों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन किया जा सके साथ ही 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रत्येक वार्ड में खुली भूमियों पर पौधारोपण किया जाए इस हेतु पार्षदों से पत्राचार के माध्यम से भी इस कार्य को किए जाने हेतु अपील की गई।

बैठक में एमआईसी सदस्य जलकार्य एवं सीवरेज प्रभारी श्री प्रकाश शर्मा, श्री शिवेंद्र तिवारी, श्री रजत मेहता, श्री सत्यनारायण चौहान, श्री कैलाश प्रजापत, श्री अनिल गुप्ता, श्री जितेंद्र कुवाल, डॉ. योगेश्वरी राठौर, श्रीमती दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी, श्रीमती सुगन बाबूलाल बाघेला, जोन अध्यक्ष श्री विजय सिंह कुशवाह, श्री सुशील श्रीवास, श्री सुरेंद्र मेहर, श्री पुरुषोत्तम मालवीय, श्री संग्राम सिंह भाटिया, नेता प्रतिपक्ष श्री रवि राय एवं पार्षद गण उपस्थित रहे।

जो भी सरकार आवे उसका सम्मान करो, गौहत्या, शराब, मांसाहार पर रोक न लगा पावे तो अगली बार दूसरा बटन दबाओ

उज्जैन। बाबा जयगुरुदेव जी के 12वें वार्षिक भंडारा कार्यक्रम में उज्जैन स्थित आश्रम में आये लाखों भक्तों के समुन्द्र को दिए संदेश में बाबा जयगुरुदेव जी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी, समय के पूरे समर्थ सतगुरु बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि लोकतंत्र में आप जनता राजा होती है। आप जो मेहनत-ईमानदारी की कमाई करते हो, यह अनाप-शनाप, बेकार का खर्च हो रहा है क्योंकि व्यवस्था सही नहीं है।

अगर देश में शराब की बंदी हो जाए तो बहुत से अपराध, दुर्घटनाएं नहीं होंगी, बहुत से लोगों की जान बच जाएगी और यह जो विभाग मद्यपान चल रहा है, इतना पैसा खर्च हो रहा है, वह बच जाएगा।

गऊ के, जानवरों के मांस को बेचने से कोई भी देश सरसब्ज नहीं हो सकता। लेकिन आप (कानून बनाना) नहीं कर सकते हो, आप वैचारिक क्रांति के द्वारा परिवर्तन लाओ। लोगों को बताओ, समझाओ।

सरकार को गिराना, हटाना नहीं है। सरकार कोई भी आवे, उसका सहयोग सम्मान आपको करना है। उनको काम करने देना है। उनका काम देखना है। बाद में जब देख लो की विफल हो रहे हैं तब अभी जो बटन दबा कर आये हो, उसके बगल में और भी बटन रहते हैं, उसमें से कोई दबा देना, जिसको उचित समझो कि यह कर ले जाएगा।

प्रेमियो! प्रचार करो, लोगों को शाकाहारी, नशा मुक्त बनाओ। जब बहुत लोग, बहुत बड़ा समाज तैयार हो जाएगा तब लोग समझेंगे की जब जनता लाख करोड़ आदमी इस चीज को चाहते हैं तो उनको भी सोचना पड़ेगा। हमारी प्रार्थना है कि जो राम के नाम पर चुनाव की वैतरणी पार हो रहे हैं, ऐसे शब्द नाम वैतरणी पकड़ने के लिए, हमेशा के लिए सुखी सम्पन्न होने, व्यवस्था को सही ढंग से सतयुग जैसा चलाने के लिए।

वह शाकाहारी, नशा मुक्त चरित्रवान हो जाएं, और जब शब्द रूपी नाम को पकड़ लेंगे तो भवसागर से भी पार हो जाएंगे। चरित्र शोभा होता है, प्रतिभा, यश बढ़ाता है।

अब यह शिकायत भविष्य में न आवे की इनके-उनके साथ पकड़े गए, रेप का केस चला। इन लोगों को संकल्प बनाने के लिए मैं प्रार्थना करता हूं। जो सेवा का अवसर आपके इष्ट ने आपको दिया, दोबारा मिले न मिले। इसलिए अवसर का लाभ उठाओ। जो भी आप संकल्प बनाओ संविधान के हिसाब से पूरा करो, संविधान की लक्ष्मण रेखा से अलग मत जाओ, ये प्रार्थना है।

शिक्षकों का योगदान सर्वोपरि रहेगा, हम बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं

उज्जैन। हम सब ऐसी संस्कृति का हिस्सा है, जो विश्व गुरु बनने जा रहा है जिसमें शिक्षकों का योगदान सर्वोपरि रहेगा। हम बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। आने वाले समय की चुनौतियों के समाधान में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति अत्यंत उपयोगी होगी। यह बात लोकमान्य टिळक शिक्षण समिति द्वारा आयोजित शिक्षक अभ्यास वर्ग के अंतिम दिवस प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए लोकमान्य टिळक शिक्षण समिति के न्यासी एवं शहर के जाने-माने शिक्षाविद वरुण गुप्ता ने कही। शिक्षक अभ्यास वर्ग का अंतिम दिवस शिक्षक प्रस्तुति पर केंद्रित रहा।

शिक्षक प्रस्तुति के अंतर्गत सर्वप्रथम धर्मिष्ठा शर्मा ने शिशु अवस्था से व्यक्तित्व विकास विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। द्वितीय प्रस्तुति अर्पिता भावसार द्वारा विद्यार्थी के विकास में मातृभाषा का प्रभाव विषय पर दी गई। तृतीय प्रस्तुति में किरण व्यास ने शिक्षक के आचरण का विद्यार्थी पर प्रभाव विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता लोकमान्य टिळक शिक्षण समिति के कोषाध्यक्ष एवं विख्यात सीए आदित्य नाम जोशी ने की। आपने कहा कि शिक्षा में अच्छे परिणाम हेतु शिक्षण पद्धति में मल्टी डिसीप्लिनरी अप्रोच को अपनाया जाना चाहिए साथ ही कमजोर विद्यार्थियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। सभा में उपस्थित सभी से आग्रह किया कि प्रत्येक व्यक्ति को पेड़ लगाने एवं वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जैसे उपायों को अपनाना होगा तभी आने वाले समय में प्राकृतिक आपदाओं से बचा जा सकेगा। इस सत्र में सर्वप्रथम वर्तमान शिक्षा नीति का पूर्व शिक्षा नीतियों से तुलनात्मक अध्ययन विषय पर रमाकांत अग्रवाल ने अपने विचार प्रस्तुत किए। द्वितीय क्रम पर अनुष्का चौरसिया ने कार्यस्थल पर शिक्षकों की कार्य नैतिकता विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। तृतीय प्रस्तुति डॉ नितिषा तोषनीवाल ने नागरिक अनुशासन का पालन एक शिक्षक के संदर्भ में विषय पर दी।

समापन सत्र में बौद्धिक एवं खेल स्पर्धा के विजेता शिक्षकों को नकद राशि से पुरस्कृत किया गया। बौद्धिक स्पर्धा में श्रेयस कड़वे प्रथम, रमाकांत अग्रवाल तथा सोनू शुक्ला द्वितीय एवं रचना सुगंधी तृतीय स्थान पर रहे। खेल स्पर्धा में पुरुष वर्ग में अशोक रघुवंशी प्रथम तथा शीतल कुमार शर्मा द्वितीय रहे। महिला वर्ग में परिधि गुप्ता प्रथम एवं पूर्णिमा यादव द्वितीय रही। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए भी खेल स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें सुजाता शर्मा प्रथम एवं कृपाराम मालवीय द्वितीय रहे। समापन सत्र की अध्यक्षता लोकमान्य टिळक शिक्षण समिति के अध्यक्ष किशोर खंडेलवाल ने की। आपने अपने उद्बोधन में सभी शिक्षकों से शिक्षण पद्धति में नवाचार करने का आग्रह किया। गत वर्ष की गतिविधियों एवं आगामी सत्र हेतु शिक्षकों से आमंत्रित सुझाव पर चर्चा की। शिक्षण समिति के सचिव विश्वनाथ सोमण ने अपने उद्बोधन में कहा कि आगामी सत्र में शोध एवं खेल गतिविधियों पर अधिक ध्यान दिया जाय। आपने अभ्यास वर्ग के विभिन्न सत्रों की समीक्षा की एवं शिक्षक प्रस्तुतियों की सराहना की। कार्यपालन अधिकारी गिरीश भालेराव ने नवनियुक्त शिक्षकों का अभिनंदन किया एवं अभ्यास वर्ग के सफल आयोजन पर सभी को बधाई दी।

इस अवसर पर शिक्षण समिति के न्यासी गण एवं संस्था प्रमुख उपस्थित थे। जानकारी वर्ग संयोजिका वसुधा केसकर ने दी।

चुनाव आयोग ने कहा-गर्मी से पहले हो जाने चाहिए चुनाव

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने भीषण गर्मी के बीच चुनाव कराने को गलती माना है। साथ ही यह भी स्वीकार किया है कि चुनाव गर्मी के मौसम में नहीं कराए जाने चाहिए। खास बात है कि आयोग ने 7 चरणों में मतदान कराने का फैसला किया था, जो 19 अप्रैल से शुरू होकर 1 जून तक करीब 45 दिनों तक चले थे। लोकसभा चुनाव परिणाम 4 जून को आएंगे।

7 चरणों के मतदान का दौर समाप्त होने के बाद और मतगणा के एक दिन पहले मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने आम चुनाव से जुड़े सवालों के खुलकर जवाब दिए। उन्होंने कहा कि चुनावों से सबसे बड़ी सीख यही मिली है कि यह प्रक्रिया गर्मी के पहले पूरी हो जानी चाहिए।

खास बात है कि शुरुआती चरणों में हुए कम मतदान की एक वजह गर्मी को भी माना गया था। सोमवार को कुमार ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश के आरोपों का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 150 कलेक्टरों को कॉल किया था। सीईसी ने कहा, क्या उन सभी (DM/रिटर्निंग अधिकारियों) को कोई प्रभावित कर सकता है। हमें बताएं कि ऐसा किसने किया है।

हम उस व्यक्ति को सजा देंगे, जिसने ऐसा किया है। आप सभी पर संदेह करें और अफवाह फैलाएं, ये सही नहीं है। कुमार ने कहा कि भारत ने लोकसभा चुनाव में 31.2 करोड़ महिलाओं समेत 64.2 करोड़ मतदाताओं की भागीदारी के साथ विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। राजीव कुमार ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी मतदान प्रक्रिया में 68,000 से अधिक निगरानी दल और डेढ़ करोड़ से अधिक मतदान तथा सुरक्षा कर्मी शामिल रहे। निर्वाचन आयुक्तों को सोशल मीडिया पर कुछ मीम में लापता जेंटलमैन नाम दिए जाने के संदर्भ में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, हम हमेशा यहीं थे, कभी नदारद नहीं रहे।

उन्होंने कहा, अब मीम बनाने वाले कह सकते हैं कि लापता जेंटलमैन वापस आ गए हैं।

दो-दो परीक्षा क्वालीफाई कर चयनित हुए पर 4 महीने बाद भी नहीं हुई नियुक्ति

उज्जैन। उच्च माध्यमिक शिक्षक वर्ग-1 शिक्षक भर्ती 2023 परीक्षा में चयनित उज्जैन के अभ्यर्थियों ने 3 जून को विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा को वर्ग-1 शिक्षक 2023 की नियुक्ति प्रक्रिया को आरंभ करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

विधायक अनिल जैन ने उच्च माध्यमिक शिक्षक वर्ग-1 के चयनित अभ्यर्थियों को आश्वासन दिया कि वे उनकी मांग से मुख्यमंत्री को अवगत करायेंगे व नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र आरंभ होने का निवेदन करेंगे। विधायक अनिल जैन ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन भी अपने पास रखते हुये कहा कि में व्यक्तिगत रूप से उक्त ज्ञापन मुख्यमंत्रीजी को देकर उच्च माध्यमिक शिक्षक वर्ग-1 शिक्षक भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों की आवाज मुख्यमंत्रीजी तक पहुचाऊंगा।

उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती 2023 चयनित मेरिट सूची जारी हुए चार माह होने को है लेकिन शिक्षा विभाग बहाने पर बहाना बनाता जा रहा है। अभी तक नियुक्ति तो अलग बात है, नियुक्ति संबधी डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन प्रक्रिया भी शुरू नही की गई है, जबकि उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती का रिजल्ट आने के बाद और भी कई विभागों के परिणाम पीईबी ने जारी किए है उन्हे मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा नियुक्ति पत्र भी दे दिए गए है, और नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में स्वयं मुख्यमंत्री ने घोषणा थी की अगले एक हफ्ते के अंदर विभिन्न विभागों में चयनित अभ्यर्थियों को 15000 नियुक्ति पत्र और दिए जाएंगे। वही चयनित अभ्यर्थियों का कहना है कि हमने कई बार डीपीआई और स्वयं शिक्षा मंत्री को भी ज्ञापन देकर अवगत कराया है, लेकिन कभी आचार संहिता तो कभी टाल मटोल जवाब मिला है। 3 जून को फिर उज्जैन उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनिल जैन को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांग जाहिर की है कि हम दो दो परीक्षा क्वालीफाई करके चयनित हुए है, मेरिट जारी हुई 4 माह होने को है, आचार संहिता भी समाप्त हो रही है और प्रदेश भर के विद्यालय भी 1 जून से शुरू हो गए है। वहीं 15 जून से छात्र पढ़ाई की उम्मीदों का बस्ता संजोए स्कूल पहुंचेगा, लेकिन भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं होने से अनुभवी शिक्षकों के अभाव में छात्र निराश होकर अपने सपनो को पुनः बंद बस्ते में बन्द कर देगा, जिसका विपरीत परिणाम उसके भविष्य के साथ साथ वार्षिक रिजल्ट पर भी दिखाई देगा। चयनीतो की मांग है कि आचार संहिता आज खत्म हो रही है अब विभाग और सरकार द्वारा तुरंत ही डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन कर नियुक्ति दी जाए जिससे 15 जून से प्रवेश उत्सव मनाकर विभाग और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर छात्रों के उज्जवल भविष्य हेतु अध्यापन कार्य शुरू कर सके।

भाजपा को अपने दम पर पूर्ण बहुमत क्यों नहीं मिला? : पंच सर्प

अत्यधिक पसमांदा आउटरीच से कोई परिणाम नहीं निकला। अत्यधिक चापलूसी के बावजूद, भाजपा को जो भी मुस्लिम वोट मिले, वे वास्तव में कम हो गए। दूसरी ओर लगभग 100% मुस्लिम वोट रणनीतिक रूप से एनडीए विरोधी सबसे मजबूत उम्मीदवार को गए।

यूपी, पश्चिम बंगाल, बिहार आदि जैसे राज्यों में हार और भाजपा के लिए जनसांख्यिकीय नुकसान में वृद्धि प्रमुख कारणों में से एक है। भाजपा ने भले ही अल्पसंख्यकों को रिकॉर्ड मुफ्त उपहार दिए हों, सबसे ज्यादा घर बनाए हों और अल्पसंख्यकों के लिए योजनाओं पर सबसे ज्यादा पैसा खर्च किया हो, लेकिन आखिरकार उन्होंने सीएए, बाबरी मस्जिद आदि जैसे मुद्दों पर वोट देना चुना।

अग्निवीर-राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड जैसे राज्यों में जहां सेना में भर्ती को एक प्रतिष्ठित करियर विकल्प के रूप में देखा जाता है, वहां भाजपा के वोट शेयर में तेज गिरावट से पता चलता है कि अग्निवीर को खासकर युवा मतदाताओं से काफी निराशा मिली।

कथा और नए मतदाता-नए मतदाता सिर्फ उपरोक्त राज्यों में ही भारत के साथ नहीं थे। यहां तक कि अन्य राज्यों में भी बेरोजगारी, महंगाई जैसे विभिन्न कथानकों का मुद्दे से ज्यादा, कथानक का प्रभावी ढंग से मुकाबला नहीं किया गया।

उम्मीदवार-कई सीटों पर उम्मीदवारों का चयन बहुत ही खराब था और कुछ सीटों पर तो यह निंदनीय था। कई उम्मीदवार जो बार-बार चुने गए, उनके खिलाफ गुस्सा पैदा हो गया और कुछ अच्छे उम्मीदवारों को बाहर कर दिया गया और सभी सुझावों का पालन नहीं किया गया।

गर्मी की लहर-गर्मी की लहर ने

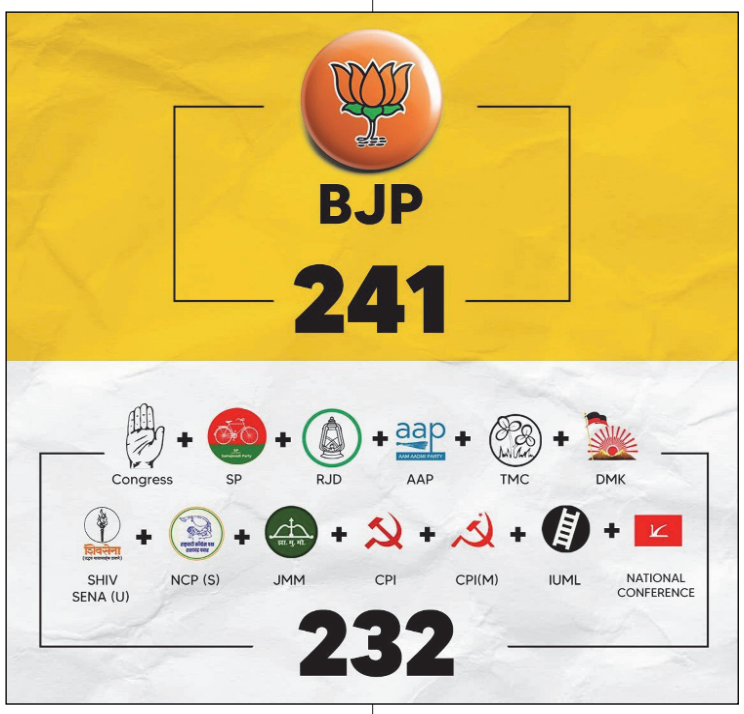

मतदाताओं को परेशान किया, खासकर यूपी जैसे कुछ राज्यों में मतदान में थोड़ी कमी आई जबकि बीजेपी के खिलाफ़ जनसांख्यिकीय समूह प्रतिशोध में मतदान कर रहे थे। कुछ विश्लेषकों ने गलती से मुस्लिम क्षेत्रों से कम मतदान को कम मुस्लिम मतदान समझ लिया। दोनों एक जैसे नहीं हैं। मुस्लिम समूह बड़ी संख्या में बाहर आए और एक ऐसे चुनाव में अधिक वोट आधार में योगदान दिया, जहाँ अन्य समूहों का मतदान कम हुआ। राम मंदिर को भुनाने और इसे स्थानीय होने से बचाने के लिए चुनाव को जनवरी में नहीं तो कम से कम 1-2 महीने पहले समाप्त हो जाना चाहिए था। सवर्ण-सवर्ण मतदाताओं के एक वर्ग ने बीजेपी को छोड़ दिया। इसमें राजपूत और ब्राह्मण शामिल हैं।

यूपी, राजस्थान और यहाँ तक कि गुजरात में कांग्रेस द्वारा इतनी सीटें जीतने को अन्यथा नहीं समझाया जा सकता। जबकि अधिकांश सवर्ण अभी भी बीजेपी के साथ हैं, पार्टी को इस बात पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है कि केवल श्रद्धांजलि देने से सवर्ण वोट पाने में मदद नहीं मिल सकती है और उन्हें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि एससी/एसटी अधिनियम जैसे कठोर कानून और सवर्ण मतदाताओं के बीच मौजूद अन्य ज्ञात दोष रेखाएँ कम हो जाएँ। इसलिए भाजपा ने तुष्टीकरण के कारण कुछ सवर्ण मतदाताओं को खो दिया और साथ ही फर्जी आरक्षण कथा के कारण कुछ अनुसूचित जाति के मतदाताओं को भी खो दिया।

आरक्षण कथा-आरक्षण हटाए जाने की कथा उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों में परिलक्षित हुई और इसने अनुसूचित जाति और कुछ ओबीसी वोटों को भारत की ओर आकर्षित किया।

आरएसएस-आरएसएस से दूरी और शीर्ष भाजपा नेताओं द्वारा यह कहते हुए अहंकारी बयान कि उन्हें आरएसएस की आवश्यकता नहीं है, ने संघ के कुछ कार्यकर्ताओं को निराश किया।

लोकलुभावन वाद-लोकलुभावन नीतियों और मुफ्त उपहारों की कमी, खासकर चुनावों के इतने करीब, एक और कारण था जिससे मदद नहीं मिली।

18वीं लोकसभा कैसी होगी?

- **नवनिर्वाचित सांसदों में से 52% पहली बार सांसद बने हैं, 14% सांसद महिलाएं हैं, 78% के पास कॉलेज की डिग्री है और 52% सांसद 55 वर्ष से अधिक आयु के हैं।**

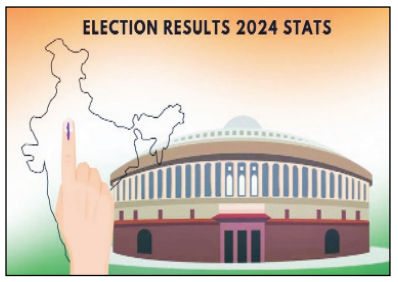

- **राष्ट्रीय दलों ने 346 सीटें (सदन की 65%) जीती हैं। राज्य स्तरीय दलों ने 179 सीटें (33%) जीती हैं। 11 सीटें गैर-मान्यता प्राप्त दलों ने जीती हैं, जबकि 7 सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीती हैं।**
- **216 मौजूदा सांसद फिर से चुने गए। इनमें से आठ ने अपना निर्वाचन क्षेत्र बदल लिया और नौ ने पिछली लोकसभा में किसी दूसरी पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। चुनाव लड़ने वाले 53 मंत्रियों में से 35 ने जीत हासिल की है।**
- **18वीं लोकसभा के लिए चुने गए सांसदों की औसत आयु 56 वर्ष है। तीन सांसद 25 वर्ष के हैं, जो लोकसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु है। सबसे बुजुर्ग सांसद 82 वर्ष के हैं।**
- **18वीं लोकसभा में 74 महिला सांसद (14%) हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका (46%), यूके (35%) और यूएसए (29%) में यह संख्या 14% है।**
- **18वीं लोकसभा के 78% सांसदों के पास कम से कम स्नातक की डिग्री है। 5% सांसदों के पास डॉक्टरेट की डिग्री है।**
- **कृषि और सामाजिक कार्य सबसे आम पेशे हैं। छत्तीसगढ़ (91%), मध्य प्रदेश (72%) और गुजरात (65%) में कृषि सबसे ज़्यादा है। अन्य आम पेशे वकील (7%) और मेडिकल प्रैक्टिशनर (4%) हैं।**

उज्जैन लोकसभा में खिला कमल, अनिल फिरोजिया 3.75 लाख वोटों से हुए विजयी

उज्जैन। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र की मतगणना जिला मुख्यालय स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में पूर्ण सुरक्षा और पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई। मतगणना परिणाम के अनुसार इस सीट से भाजपा प्रत्याशी अनिल फिरोजिया ने 836104 मत प्राप्त कर विजय रहे। इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी महेश परमार ने 460244 मत प्राप्त किए। भाजपा प्रत्याशी फिरोजिया ने अपने निकटतम कांग्रेस के प्रत्याशी परमार को 375860 मतों से हराया।

इनके अतिरिक्त के बहुजन समाज पार्टी एडवोकेट प्रकाश चौहान को 9518, भीम सेना के प्रत्याशी डॉ हेमंत परमार को 4976, निर्दलीय अनिल को 981, निर्दलीय प्रत्याशी ईश्वरलाल को 863, निर्दलीय प्रत्याशी गंगा मालवीय को 1295, निर्दलीय महेश परमार को 2476, निर्दलीय प्रत्याशी सुरेश को 2791 तथा नोटा को 9332 मत प्राप्त हुए। कुल विधिमान्य मतों की संख्या 1319248, 631 मत निरस्त किए गए तथा टेंडर वोट की संख्या 19 रही। लोकसभा निर्वाचन की मतगणना शांतिपूर्वक संपन्न हुई। मतगणना केंद्र पर सुसंगत व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई। मतगणना केंद्र पर सुबह 8 बजे पोस्ट बैलेट के साथ मतगणना कार्य प्रारंभ हुआ। सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच स्ट्रांग रूम खोला जाकर पोस्टल बैलट एवं ईवीएम मतगणना कक्ष तक लाई गए। संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया की सीसीटीवी कैमरा के माध्यम मॉनिटरिंग की गई।

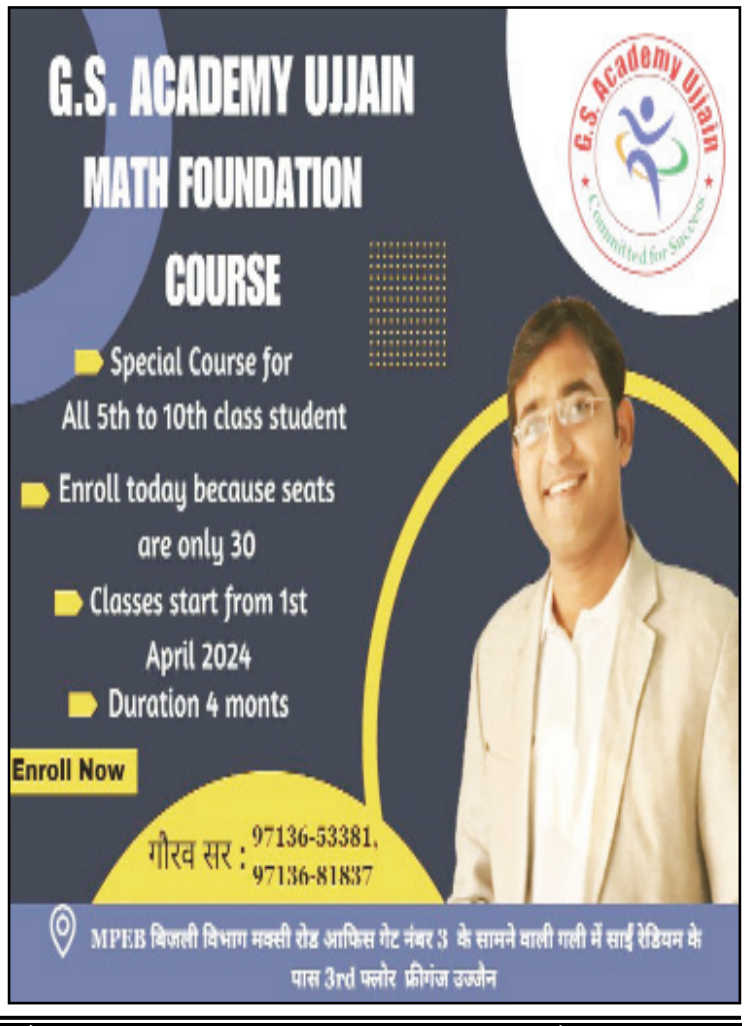

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नक्षत्र के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)